

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



कल्याणपुर पुलिस की तत्परता से ई-रिक्शा में छूटा बैग.... पेज: 6

दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 223 | मंगलवार 17 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

- सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे।



सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

- इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती

गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।



यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।



केंद्र सरकार के सामने महिला आरक्षण-परिसीमन पर समर्थन जुटाने की चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में विचार रही है, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत से 15 से 18 वोट अधिक जुटा लेगी।

इस बार परिस्थितियां केंद्र सरकार के लिए बदली है। विपक्ष ने अप्रैल में एकजुट होकर सरकार के प्रस्ताव को रोक दिया था और एनडीए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव) के सांसदों के पाला बदलने के बाद लोकसभा में संख्याबल बदल गया है। डीएमके के इंडिया ब्लॉक से अलग होने के बाद विपक्षी खेमे की संख्या भी घटी है। इसके बावजूद सरकार के सामने संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है। लोकसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक, एनडीए के खेमे में कुल 321 सांसद हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें टीएमसी के बागी 20 सांसद, शिवसेना के 13 सांसद भी शामिल हैं। इस तरह एनडीए का संख्याबल 321 तक पहुंच गया है।

हालांकि, इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं, जो सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करते। इंडिया गठबंधन की लोकसभा में संख्या पहले 232 थी, जो अब घटकर 183 रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के अलग होने के बाद उसके आठ सांसद बचे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने के बाद उसके तीन सांसद रह गए हैं। श्रीनगर के सांसद के इस्तीफे के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व भी घटा है। तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन के बाद 22 लोकसभा सांसद वाली डीएमके भी इंडिया ब्लॉक से अलग है। इन बदलावों के बाद लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का संख्याबल 183 रह गया है। अप्रैल 2026 में संविधान संशोधन विधेयक पर हुए मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया था। सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

सरकार के लिए सबसे अहम भूमिका उन 36 सासदों की हो सकती है जो न एनडीए में है और न ही इंडिया ब्लॉक में। इनमें डीएमके के 22 सांसद वाईएसआर कांग्रेस के चार, आम आदमी पार्टी के तीन, अकाली दल, झेडपीएम, एएसपी और एआईएमआईएम के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय शामिल है। इनमें डीएमके का रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा। पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग जरूर हो गई है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर उसका सरकार के साथ आना आसान नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद के मुताबिक 36 बिना खेमे वाले सांसदों में 28 इस बिल के विरोध में वोट कर सकते है। उम्मीद है कि डीएमके के 22, आप के 3, झेडपीएम, एआईएमआईएम, एएसपी के एक-एक सांसद भी है जो बिल के विरोध में वोट कर सकते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में तीन दिन का विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को 15-18 वोटों के अतर से पारित कराने का दावा किया है। याद दिलाया कि सरकार को 50 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। राज्यसभा में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, उच्च सदन में एनडीए के पास 155 सांसदों का समर्थन है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 161 सदस्यों की जरूरत होगी। यानी सरकार यहां महज छह सांसद पीछे है। छह सासदों का समर्थन जुटाना सरकार के लिए लोकसभा के मुकाबले कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित कराना अनिवार्य है।

मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर

नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।



रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (नस्थिरक) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

चिंतन-मनन

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

अमरोहा
मंगलवार 17 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

लूट की झूठी कहानी का पदार्फाश, मालिक के 1,52,000 रुपये गबन करने वाले चालक समेत 2 गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज और पुलिस की सूझबूझ से खुला फर्जी लूट का राज



ललौली/फतेहपुर (सब का सपना):- थाना ललौली, जनपदीय क्राइम डिटेक्शन टीम व सर्विलांस सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने पिकअप वाहन पर फायरिंग कर 1,52,735 रुपये लूटने की झूठी सूचना का पदार्फाश किया है। माल के पैसों का गबन करने के लिए लूट का षड्यंत्र रचने वाले 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1,52,000 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त 1 पेचकस व 1 पोको मोबाइल फोन बरामद किया है। 14 नवंबर को समय करीब 15:40 बजे पीआरवी के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना ललौली क्षेत्र अंतर्गत साहब सिंह परिहार के ईंट भट्ठे के सामने बंद पड़े भदौरिया ढाबा, बहद ग्राम महखेड़ा के पास पिकअप वाहन संख्या वढ78टठ0478 पर अज्ञात बाइक सवारों द्वारा फायरिंग कर 1,52,735 रुपये व मोबाइल फोन लूट लिए गए हैं। सूचना पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्राथमिक जांच में लूट की घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हुई।

वाहन स्वामी आशीष अवस्थी पुत्र राजेश अवस्थी निवासी ए-138 कल्याणी नगर, थाना पनकी, जनपद कानपुर नगर ने भी अपने चालक राज शुक्ला की कहानी पर संदेह व्यक्त करते हुए तहरीर दी। जिसके आधार पर थाना ललौली पर मु0अ0सं0 320/2026 धारा 316(4)/61(2)/3(5) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में टीम ने गहन छानबीन की। विवेचनात्मक कार्रवाई, साक्ष्य संकलन तथा घटनास्थल के आगे-पीछे लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के परीक्षण में आने-जाने वाले वाहनों एवं बताए गए हुलिए का मिलान न होने से लूट की सूचना पूर्णतः असत्य पाई गई।

सोमवार को संयुक्त पुलिस टीम ने इस फर्जी लूट के षड्यंत्र का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त 1. राज शुक्ला एवं 2. ओम सचिन को गिरफ्तार किया।

उनकी निशानदेही पर नीले बैग में रखे गबन किए गए 1,52,000 रुपये नकद, पेचकस व पोको मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामदगी व साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2)/238/217 बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कड़ाई से पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त राज शुक्ला ने बताया कि उसने अपने साथी ओम सचिन के साथ मिलकर आर्थिक आवश्यकता की पूर्ति हेतु माल के पैसों का गबन करने और लूट की झूठी सूचना देने की पूर्व नियोजित साजिश रची थी। 13 नवंबर को वे घर से ही जेब में एक रांग (बुलेट) रखकर निकले थे।

दोनों अभियुक्त वाहन स्वामी के पिकअप वाहन में कानपुर नगर से ह्यभाई-भाईह्ल ब्रांड की नमकीन के पैकेट लादकर जनपद बांदा के बदौसा व बबेरू ले गए, जहां व्यापारियों को नमकीन की डिलीवरी के बाद उन्हें कुल 1,52,735 रुपये प्राप्त हुए। दोनों ने उक्त धनराशि को गिनने के बाद उसमें से 735 रुपये निकालकर रास्ते में खाने-पीने में खर्च कर दिए। इसके बाद वे बांदा से औगासी पुल, गाजीपुर, बहुआ व बांधवा तिराहा से मुड़कर बिंदकी जाने वाले मार्ग पर आगे बढ़े तथा ग्राम महखेड़ा के पास सुनसान स्थान देखकर गाड़ी रोक दी। योजना के मुताबिक शेष 1,52,000 रुपये राज शुक्ला के नीले बैग में रखकर तथा अपना पोको मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर साथी ओम सचिन को सौंप दिया और उसे टेम्पो में बैठकर कस्बा बिंदकी में इंतजार करने हेतु भेज दिया। ओम सचिन के वहां से जाने के बाद चालक राज शुक्ला ने गाड़ी में ही मौजूद पेचकस से खुद खिड़की का शीशा तोड़ दिया तथा पहले से लाए रांग (बुलेट) को डैशबोर्ड पर रखकर गोली चलने व लूट होने की मनगढ़ंत सूचना पुलिस को दी थी।

आधार सेवाओं में लापरवाही पर सीएससी प्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जिला आधार अनुश्रवण समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में आधार कार्ड बनाने और उनमें संशोधन से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान आधार सेवाओं में मिल रही शिकायतों और कार्यों में बरती जा रही लापरवाही पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विपिन कुमार ने आधार कार्ड से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के आधार कार्ड बनवाने और उनमें संशोधन कराने के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है। इस संबंध में लगातार शिकायतें भी प्राप्त हो रही हैं। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं। साथ ही बच्चों के आधार कार्ड बनवाने और संशोधन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान कराया जाए।

सीएससी केंद्रों पर आधार कार्ड सेवाओं को लेकर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी केंद्रों पर आधार कार्ड बनाने और संशोधन का कार्य निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सीएससी प्रबंधक परवेज कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में न्याय पंचायत स्तर पर आधार कार्ड केंद्र स्थापित करने के कार्य की भी समीक्षा की गई। इस दौरान कार्यदायी संस्था श्री ट्रॉन की ओर से कार्य में लापरवाही सामने आने पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित संस्था को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार केंद्रों की स्थापना का कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आधार संबंधी सेवाओं के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े।

डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार ने जनपद के सभी आधार केंद्र संचालकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक केंद्र पर आधार कार्ड से संबंधित निर्धारित शुल्क की सूची स्पष्ट रूप से चस्पा की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को निर्धारित शुल्क की पूरी जानकारी होनी चाहिए। यदि किसी केंद्र पर निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि वसूलने की शिकायत मिलती है तो संबंधित संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने सहित नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आधार कार्ड से जुड़ी सभी सेवाओं को आमजन के लिए सरल और पारदर्शी बनाया जाए। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और सभी आधार केंद्रों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आधार सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि नागरिकों को आधार कार्ड बनवाने और संशोधन कराने में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो।बैठक में डिप्टी कलेक्टर अभिमन्यु कुमार जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी अनार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, अपर जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी जगदीश सिंह, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विपिन कुमार, सहायक प्रबंधक लखनऊ विवेक कुमार, आधार कार्ड सेवा केंद्र के प्रबंधक अनुज, बीएसएनएल के उपमहाप्रबंधक संजय कुमार, श्री ट्रॉन के प्रतिनिधि धर्मेंद्र कुमार सहित पोस्ट ऑफिस के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पत्नी पर पेट्रोल डालकर मारने की कोशिश का आरोप, अब पीड़ित ने एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

जमानत पर बाहर आते ही सुलह का दबाव बनाने, जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप



फतेहपुर (सब का सपना):- फतेहपुर जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। जिस पत्नी पर पति ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पेट्रोल डालकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया था, अब उसी मामले में पीड़ित पति अपनी जान बचाने के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। पीड़ित दीपक कुमार का आरोप है कि मुकदमे में जमानत पर बाहर आने के बाद पत्नी और उसके मायके पक्ष के लोग लगातार उस पर सुलह करने का दबाव बना रहे हैं। सुलह न करने पर जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है। मारपीट और प्रताड़ित करने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अपनी जान को खतरा बताते हुए पीड़ित एसपी कार्यालय पहुंचा और शिकायती पत्र देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

पीड़ित दीपक कुमार के मुताबिक, 21 अप्रैल 2026 को उसकी पत्नी ज्योति देवी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उस पर पेट्रोल डालकर जान से मारने का प्रयास किया था। इस घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर गाजीपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित के आरोपों के मुताबिक, इस मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी ज्योति देवी और उसके कथित प्रेमी यदुवेन्द्र उर्फ विपिन यादव के खिलाफ कार्रवाई की थी। हालांकि, अब दोनों आरोपियों के जमानत पर बाहर आने के बाद मामला एक नया मोड़ लेता दिखाई दे रहा है। दीपक कुमार का आरोप है कि जमानत पर बाहर आने के बाद उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोग लगातार उस पर मुकदमे में सुलह करने का दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि जब वह मुकदमा वापस लेने या समझौता करने के लिए तैयार नहीं हुआ तो उसे जान से मारने की धमकी दी जाने लगी।पीड़ित का कहना है कि उसे और उसके परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी जा रही है। पत्नी और ससुरालीजनों पर मारपीट करने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप भी लगाए गए हैं। पीड़ित के मुताबिक, पहले जानलेवा हमले की घटना और अब लगातार मिल रही धमकियों के चलते वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

इतना ही नहीं, दीपक कुमार ने अपनी पत्नी पर पुलिस के माध्यम से उसकी बहन और बहनोई पर भी दबाव बनवाने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी बहन और बहनोई पर मकान की चाबी दिलाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम से परेशान होकर अब पीड़ित ने पुलिस के आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। अपनी जान का खतरा बताते हुए दीपक कुमार एसपी कार्यालय पहुंचा और अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा। पीड़ित ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, धमकी देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और खुद के साथ-साथ अपने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।वहीं इस पूरे मामले में एडिशनल एसपी ज्ञान प्रकाश राय ने पीड़ित को जांच के बाद उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बहजोई महाविद्यालय में विद्यार्थियों को दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ



बहजोई /संभल (सब का सपना):- बहजोई महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि सर्दियों में कोहरा और कम दृश्यता के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में सभी को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग केवल कानूनी अनिवार्यता नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक नागरिक को स्वयं यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेवियों शिक्षकों और कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस दौरान डॉ. गीता नेमपाल सिंह गौरव वार्ष्णेय सत्येंद्र कुमार डॉ. ओपी सिंह डॉ. बलवीर सिंह दीप्ति रानी संजय कुमार पूजा शर्मा प्रीति शर्मा यशपाल सिंह और रामतीरथ सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जिस बेटे को वर्दी में देख परिवार खुश था, उसी की मौत से घर में मचा मातम

गश्त के दौरान पुलिस की टाटा सूमो पेड़ से टकराई थी, 10 दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद तोड़ा दम,शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम





हयातनगर/संभल(सब का सपना):- सड़क हादसे में घायल संभल के रहने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही कफील अहमद (25) की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह करीब 10 दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे थे। आगरा के अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे उनका पार्थिव शरीर गांव लहरा कमंगर पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार, हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव लहरा कमंगर निवासी मोबिन के बेटे कफील अहमद उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। 5-6 नवंबर की मध्यरात्रि करीब तीन बजे फिरोजाबाद के गांव तोतलपुर में गश्त के दौरान पुलिस की टाटा सूमो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई थी। हादसे के समय गाड़ी कांस्टेबल सोनू चला रहे थे। बताया गया कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना में चालक समेत दरोगा और एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

हादसे के बाद बसई मोहम्मदपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को गाड़ी से निकालकर फिरोजाबाद के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। गंभीर हालत को देखते हुए कांस्टेबल कफील अहमद और एसआई ओमवीर को आगरा रेफर किया गया। कफील का आगरा के अस्पताल में उपचार चल रहा था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। मौत की सूचना परिवार को दी गई। कफील अहमद का पुलिस में चयन होने के बाद 17 जून 2025 को आगरा में प्रशिक्षण के लिए जाना हुआ था। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उनकी पहली तैनाती फिरोजाबाद के बसई मोहम्मदपुर थाने में हुई थी। महज 17 महीने पहले पुलिस सेवा में आए कफील की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार में माता नूरजहां, पिता मोबिन, तीन भाई और एक बहन हैं। पिता किसान हैं और परिवार खेती-किसानी पर निर्भर है। कफील के भाई अरकान ने बताया कि पुलिस में चयन होने के बाद भाई आगरा में ट्रेनिंग के लिए गए थे। उन्हें नौकरी मिलने से परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन हादसे ने सारी खुशियां छीन लीं। ग्राम प्रधान मोहम्मद हसीन ने बताया कि कफील पढ़ाई में काफी अच्छे थे और करीब 17 महीने पहले पुलिस में भर्ती हुए थे। उनकी मौत से गांव के लोग भी गमगीन हैं। सोमवार को जैसे ही उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा, परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। मां और बहन बेटे और भाई को याद कर बेसुध हो गईं। गांव में हर आंख नम नजर आई।

सपा कार्यकर्ताओं ने लिया वीरांगना ऊदा देवी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प





संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सोमवार को जिला संभल में समाजवादी पार्टी की ओर से 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना ऊदा देवी पासी की पुण्यतिथि मनाई गई। जिला कार्यालय संभल पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके जीवन संघर्ष, अदम्य साहस और देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदान को याद किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली असारी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महान वीरांगना थीं। उन्होंने लखनऊ के सिकंदर बाग में अंग्रेजी सेना के खिलाफ अदम्य साहस के साथ युद्ध लड़ा और मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका त्याग और बलिदान देश के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऊदा देवी पासी का संघर्ष आज भी महिलाओं, दलितों और वंचित समाज के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महापुरुषों, वीरांगनाओं और देश के लिए बलिदान देने वाले शहीदों के सम्मान में आगे रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, वीरांगना ऊदा देवी पासी, झलकारी बाई सहित सभी महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की लड़ाई ही समाजवादी पार्टी की असली पहचान है।

इस दौरान अन्य वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में वीरांगना ऊदा देवी पासी के विचारों और उनके संघर्ष से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। दलित, पिछड़े और वंचित समाज को शिक्षा, सम्मान और उनके अधिकार दिलाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे गांव-गांव जाकर वीरांगना के बलिदान और देश की आजादी में उनके योगदान की गाथा लोगों तक पहुंचाएं।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष चंदौसी उमेश यादव, बलवंत सिंह, सईद इजरायली, उमेश दिवाकर, अमरीश यादव, हबीब अहमद, आमिर खान एडवोकेट, फैयाज प्रधान, रवि दिवाकर, डॉ. शाहिद सैफी, रियासत हुसैन, उस्मान अंसारी, चरक सिंह जाटव, तेजपाल सिंह जाटव, विद्याराम यादव, सोनू दिवाकर, अमर सिंह, रामबाबू, सत्यवान यादव, राजू दिवाकर, फैजान तुर्की, जाकिर अंसारी, फराज असगर, मोबीन सैफी, आरजू अंसारी सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंचायत घर पर लटका ताला, कागजों में हो रहा विकास, धरातल पर सफाई व्यवस्था जीरो

सालों से नहीं बैठा पंचायत सहायक, फिर भी निकल रही सैलरी, नल रिपेयरिंग के नाम पर भी हो रहा धन का खेल



गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी की ग्राम पंचायत काई मुस्तकम में विकास के दावे सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गए हैं। धरातल पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सूत्रों के अनुसार पिछले कई वर्षों से पंचायत घर में पंचायत सहायक बैठ ही नहीं रहा है। पंचायत घर की हालत देखकर ऐसा लगता है मानो वह पिछले कई वर्षों से खुला ही नहीं है। गांव में जगह-जगह नल खराब पड़े हैं। ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। वहीं सफाई व्यवस्था पूरी तरह जीरो है। पंचायत घर में गंदगी पसरी हुई है। सामुदायिक शौचालय की स्थिति तो और भी दयनीय है। शौचालय की लैट्रिन की सीट टूटी हुई है और शौचालय में पानी की व्यवस्था तक नहीं है।

ग्रामीणों का आरोप है कि साफ-सफाई के नाम पर केयरटेकर और पंचायत सहायक की सैलरी लगातार सरकारी खाते से निकल जा रही है। वहीं नल रिपेयरिंग के नाम पर भी धन निकालने का काम किया जा रहा है, लेकिन मौके पर न तो नल ठीक हैं और न ही सफाई दिख रही है। अब सवाल यह उठता है कि क्या इस व्यवस्था में कुछ सुधार होगा, या सब कुछ यूं ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता रहेगा? ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और गांव में मूलभूत सुविधाएं बहाल करने की मांग की है।

तिगरी मेला-2026 को सकुशल संपन्न कराने को लेकर एसपी ने की गोष्ठी, दिए सख्त निर्देश

भीड़ प्रबंधन, यातायात और आपातकालीन तैयारियों की हुई समीक्षा, एसडीआरएफ-एनडीआरएफ के अधिकारी रहे मौजूद





अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा तिगरी मेला-2026 को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत रविवार को मेला ड्यूटी में लगे समस्त अपर पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्राधिकारियों, निरीक्षकों तथा एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ के अधिकारियों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी के दौरान एसपी ने मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं सतर्कता के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। एसपी ने निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस, एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमें आपसी समन्वय स्थापित कर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण जिम्मेदारी, सतर्कता एवं समर्पण के साथ ड्यूटी करते हुए तिगरी मेला-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए।

विवाहिता की हत्या कर शव खेत में दबाया, पति और भांजा गिरफ्तार, हथौड़ी व बाइक बरामद



अमरोहा/आदमपुर (सब का सपना):- थाना आदमपुर पुलिस ने विवाहिता अनीता की हत्या कर शव छिपाने की घटना का अनावरण करते हुए मृतका के पति व पति के भांजे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथौड़ी एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष आदमपुर कोमल तोमर के नेतृत्व में थाना आदमपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की। 5 नवंबर को थाना आदमपुर पर मानू पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम पुरसल ने अपनी बहन अनीता की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 15 नवंबर को मानू ने तहरीर देकर अपनी बहन की उसके पति नेमपाल एवं उसके भांजे राजू द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाया। वादी के अनुसार उसकी बहन अनीता उम्र करीब 38 वर्ष की शादी वर्ष 2007 में नेमपाल पुत्र खचेडू निवासी ग्राम चकूनी, थाना सैदनगली के साथ हुई थी। पति द्वारा अनीता के चरित्र पर संदेह किए जाने के कारण दोनों के बीच विवाद रहता था। इसी वजह से अनीता पिछले करीब 5 वर्षों से गजरौला एवं दिल्ली में रहकर कंपनी में काम कर रही थी। इसी रंजिश के चलते नेमपाल एवं उसके भांजे राजू ने अनीता की हत्या करने की योजना बनाई।

योजना के अनुसार 5 नवंबर को ग्राम गवां, थाना रजपुरा, जनपद संभल स्थित राजू के घर पर अनीता की हत्या कर दी गई तथा उसके शव को घर के पीछे स्थित खेत में करीब 4 फीट गहरा गड्ढा खोदकर दबा दिया गया।रविवार को पुलिस द्वारा संबंधित अधिकारियों को सूचना देकर जनपद संभल के मजिस्ट्रेट एवं नायब तहसीलदार की निगरानी में जेसीबी से खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान करीब 3 फीट नीचे अनीता का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान उसके भाई मानू द्वारा की गई।

अमरोहा एवं संभल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी हाउस बहजोई, जनपद संभल भेजा गया। उक्त प्रकरण में थाना आदमपुर पर मु0अ0सं0 234/2026 धारा 103(1)/238(˙)/3(5) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना आदमपुर पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित दोनों अभियुक्तों को आदमपुर-रहरा तिराहे से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक हथौड़ी एवं घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। खबर लिखे जाने तक दोनों अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्यवाही के उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जिला संयुक्त चिकित्सालय का आरआरटीसी टीम ने किया निरीक्षण





अमरोहा (सब का सपना):- एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज मेरठ की आरआरटीसी टीम ने जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा का निरीक्षण किया। टीम में गायनी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रचना चौधरी, बालरोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सिंह, एफआरयू आरआरटीसी स्पेशलिस्ट डॉ. दीपा कुमारी एवं कोर्डिनेटर दीपक कुमार शामिल थे। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भंडारी ने टीम का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। टीम ने लेबर रूम, गायनी ओटी, एसएनसीयू, सर्जिकल वार्ड, गायनी ओपीडी एवं एनआरसी वार्ड के अभिलेखों का सत्यापन किया। डॉ. रचना चौधरी ने जच्चा-बच्चा संबंधी इमरजेंसी उपचार, पार्टोग्राफ, इमरजेंसी ट्रे एवं केस शीट का निरीक्षण किया। उन्होंने स्त्रीरोग विशेषज्ञों की शीघ्र तैनाती के लिए शासन से पत्राचार करने का निर्देश दिया तथा एनीमिया मरीजों के आयरन सूक्रोज व एफसीएम इंजेक्शन की जानकारी ली। गायनी ओटी में प्रति माह लगभग 80-100 सिजेरियन ऑन-कॉल विशेषज्ञों द्वारा कराये जा रहे हैं। डॉ. अभिषेक सिंह ने एनआरसी में कुपोषित बच्चों के उपचार की सराहना की तथा एसएनसीयू-एमएनसीयू में कम वजन वाले बच्चों की व्यवस्था, ऑक्सीजन एवं रेडिएंट वार्मर का निरीक्षण कर स्टाफ को विशेष निगरानी के निर्देश दिए। टीम ने चिकित्सालय की सेवाओं एवं सफाई व्यवस्था की प्रशंसा की।

राजकीय फल संरक्षण केंद्र अमरोहा में एक माह तक कुकरी/बेकरी का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ



अमरोहा (सब का सपना):- खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश के अधीन राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, अमरोहा द्वारा एक मासिक फल संरक्षण कुकरी/बेकरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 16 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अमरोहा की चेयरमैन शशि जैन द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को स्टेशनरी किट का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लाभार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को फास्ट फूड एवं बेकरी से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे वे प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में पूर्व प्रधानाचार्य राजेश कुमार, केंद्र प्रभारी विक्रांत सिंह राणा तथा उनके सहयोगी संजीव कुमार सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सेवा मतदाताओं की नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शुरू, 17 नवंबर को होगा आलेख्य प्रकाशन



अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने सोमवार को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर सेवा मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं।इस पुनरीक्षण के अंतर्गत निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर को किया जाएगा। संबंधित अभिलेख अधिकारियों, कमांडिंग अधिकारियों एवं प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा प्रपत्र प्राप्त करने, सत्यापन एवं स्कैनिंग करने, एक्सएमएल फाइल तैयार करने तथा हस्ताक्षरित-सत्यापित प्रपत्रों सहित एक्सएमएल फाइल अपलोड करने की प्रक्रिया 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक चलेगी।निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा हस्ताक्षरित प्रपत्रों एवं एक्सएमएल फाइलों का निस्तारण, अपूर्ण प्रपत्रों को वापस करना, संशोधित प्रपत्र प्राप्त करना तथा अंतिम आदेश पारित करने की कार्यवाही 28 दिसंबर तक पूरी की जाएगी। इसके बाद निर्वाचक नामावलियों के अंतिम भाग का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को होगा।

गरिमा सिंह ने कहा कि जनपद अमरोहा के चारों विधानसभा क्षेत्रों–39-धनौरा (अजा), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर–के संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) निर्धारित समय-सारिणी के अनुरूप सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत की स्व-गणना



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण के अंतर्गत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में प्रतिभाग करते हुए ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्व-गणना की।

उन्होंने निर्धारित पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण की।जनगणना के दूसरे चरण के तहत 16 नवंबर से 30 नवंबर तक नागरिकों के लिए स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से नागरिक निर्धारित पोर्टल ँ३३स्र२ः//रीू्ल्ल२४२.ङ्ब५.ल्ल पर जाकर स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे जनगणना-2027 के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें और निर्धारित अवधि में स्व-गणना पोर्टल पर अपनी एवं अपने परिवार से संबंधित सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास की योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से देश एवं प्रदेश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, आवासीय परिस्थितियों तथा विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त होती है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, आवास सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की योजना बनाने में सहायता मिलती है। साथ ही, संसाधनों का बेहतर नियोजन एवं जरूरतमंद क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने में भी जनगणना के आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आग्रह किया कि वे स्व-गणना की प्रक्रिया को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी मानते हुए स्वयं भी स्व-गणना करें और अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जनगणना-2027 का कार्य सटीक एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

सिरसा कला में सामुदायिक शौचालय जर्जर, कई हैंडपंप खराब, सफाई के नाम पर धन का हो रहा दुरुपयोग

प्रधान और सचिव पर मिलकर घोटाला करने का आरोप, ग्रामीण परेशान, प्रशासन से जांच की मांग



गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी की ग्राम पंचायत सिरसा कला में विकास के दावे हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। सरकार द्वारा गांव के विकास, साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था के लिए लाखों रुपये भेजे जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर हालात जस के तस बने हुए हैं। गांव में सामुदायिक शौचालय जर्जर हालत में पड़ा है। उसकी दीवारें टूटी हुई हैं और अंदर गंदगी पसरी हुई है। शौचालय में पानी की व्यवस्था तक नहीं है, जिससे ग्रामीणों को मजबूरी में खुले में जाने को विवश होना पड़ रहा है। गांव में जगह-जगह हैंडपंप खराब पड़े हैं। कई हैंडपंपों से पानी आना बंद हो गया है तो कई का पानी पीने योग्य नहीं है। ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दराज भटकना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। नाम न छापने की शर्त पर एक ग्रामीण ने बताया कि हैंडपंप रिबोर और साफ-सफाई के नाम पर सरकार द्वारा दिए जा रहे धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। कागजों में काम दिखाकर धन निकाल लिया जाता है, लेकिन मौके पर न तो हैंडपंप ठीक होते हैं और न ही सफाई व्यवस्था दिखती है। गांव की गलियों में कूड़ा-कचरा पड़ा रहता है, नालियां भरी पड़ी हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव पर मिलकर घोटाला करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी गांव की सुध नहीं ले रहे हैं। ग्राम पंचायत की बैठकों में भी विकास कार्यों की जानकारी नहीं दी जाती।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व खंड विकास अधिकारी से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और गांव में हैंडपंप, शौचालय व सफाई व्यवस्था तत्काल बहाल करने की मांग की है।

एसपी की कार्रवाई के दो दिन बाद ही साहनपुर चौकी क्षेत्र में दर्दनाक हादसा, 11 वर्षीय छात्र की मौत

भ्रष्टाचार के मामले में दरोगा और तीन सिपाहियों के निलंबन के बाद फिर सवालों के घेरे में पुलिस व्यवस्था, कथित अवैध खनन गतिविधियों पर उठे सवाल





बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद क्षेत्र की साहनपुर पुलिस चौकी एक बार फिर सवालों के घेरे में है। चौकी क्षेत्र में हुए दर्दनाक हादसे में 11 वर्षीय छात्र मयंक की जान चली गई। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह स्कूल जाते समय गांव के बाहर साहनपुर चौकी के पास घोड़ा-बोगी की चपेट में आने से छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मुख्तियारपुर, ग्राम पंचायत खलीलपुर निवासी अमित कुमार का पुत्र मयंक सोमवार सुबह रोजाना की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान गांव के बाहर साहनपुर चौकी के पास वह घोड़ा-बोगी की चपेट में आ गया। हादसे के बाद बोगी चालक ही घायल छात्र को अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मयंक पदारतपुर जूनियर हाईस्कूल में कक्षा छह का छात्र था। बताया गया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान था।मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। अस्पताल में शव देखकर परिजन आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी अमित कुमार ने परिजनों को समझाकर शांत कराया तथा मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस हादसे के बाद साहनपुर चौकी क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था और निगरानी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब है कि महज दो दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने साहनपुर चौकी पर तैनात एक दरोगा और तीन सिपाहियों को भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

पुलिस विभाग की इस कार्रवाई के बावजूद चौकी क्षेत्र में कथित अवैध रेत खनन गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं।स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यदि क्षेत्र में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं तो उन पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लगाया गया? हालांकि, हादसे और कथित अवैध खनन के बीच प्रत्यक्ष संबंध की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। ऐसे में प्रशासन के सामने हादसे के कारणों की निष्पक्ष जांच कराने और क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की चुनौती है।

एक परिवार की इकलौती संतान की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि पुलिस-प्रशासन इस मामले में जांच और कार्रवाई को लेकर क्या कदम उठाता है।

नशे में बड़े भाई ने छोटे भाई पर किया पाटल से हमला,रिपोर्ट दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम डेलपुरा नैनू में शराब के नशे में बड़े भाई ने छोटे भाई और मां के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। विरोध करने पर बड़े भाई ने पाटल से छोटे भाई के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया।

गांव निवासी राजा सैनी पुत्र गुलाब सिंह न ने बताया कि 11 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे उसका बड़ा भाई देवेंद्र शराब के नशे में मां और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने हाथापाई शुरू कर दी और पाटल से उसके सिर पर हमला कर दिया।

हमले में उसके सिर में बाईं ओर तीन और दाईं ओर तीन टांके आए।आरोप है कि आरोपी ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

21 हजार जमा कराने पर भी नहीं लौटाई बाइक, सातवां मुकदमा हुआ दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पाड़ली मांडू निवासी अंकुश कुमार पुत्र गिरवर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पांच अक्तूबर को वह पत्नी व बच्चों के साथ नगीना से धामपुर जा रहा था।

पुरैनी टोल प्लाजा के पास विभु सैठी और अनुराग ने उसे रोककर बाइक पर लोन की किस्तें बकाया बताते हुए बाइक कब्जे में ले ली।

आरोप है कि उससे 1.27 लाख रुपये की मांग की गई 13 अक्तूबर को उसने अनुराग के खाते में 21 हजार रुपये ऑनलाइन जमा करा दिए, इसके बावजूद बाइक वापस नहीं की गई।

पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर बाइक वापस दिलाने की मांग की है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत निकाली जागरूकता रैली, जिला पंचायत अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

16 से 30 नवंबर तक चलेगा जागरूकता अभियान, हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने की अपील



बिजनौर (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत सोमवार को जिला परिवहन विभाग की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। जिला पंचायत कैंप कार्यालय से शुरू हुई रैली का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। नियमों का पालन करके ही सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है।इस अवसर पर एआरटीओ महेश कुमार शर्मा ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत 16 से 30 नवंबर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने की अपील की। साथ ही तेज गति, लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी से बचने का संदेश दिया।

रैली के माध्यम से लोगों को स्वयं सुरक्षित रहने और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान भाजपा जिला मंत्री, परिवहन विभाग के कर्मचारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पर अवैध वसूली के आरोप, व्यापार मंडल ने खोला मोर्चा

दुकानदारों को सैंपलिंग की कार्रवाई का डर दिखाकर परेशान करने का आरोप, डीएम से निष्पक्ष जांच कराने की तैयारी





बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। चांदपुर तहसील के नूरपुर क्षेत्र स्थित राजा का ताजपुर में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पर दुकानदारों को कथित रूप से परेशान करने और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए गए। व्यापारियों का आरोप है कि पैसे देने से इनकार करने वाले दुकानदारों की दुकानों से सैंपल भरने की कार्रवाई का दबाव बनाया जाता है। मामले को लेकर व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी बिजनौर को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने का निर्णय लिया है।

राजा का ताजपुर में आयोजित बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने चांदपुर तहसील में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। व्यापारियों का आरोप है कि क्षेत्र के दुकानदारों को लगातार परेशान किया जा रहा है। कथित तौर पर उनसे अवैध धनराशि की मांग की जाती है और मांग पूरी नहीं होने पर सैंपलिंग की कार्रवाई का दबाव बनाया जाता है। व्यापारियों ने स्पष्ट कहा कि उन्हें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच और विभागीय कार्रवाई से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी और निर्धारित नियमों के अनुसार होनी चाहिए। किसी भी दुकानदार को अनावश्यक रूप से डराने या दबाव बनाने की शिकायत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली के साथ ही कुछ अधिकारियों के साथ कथित रूप से निजी तौर पर काम कर रहे युवकों की भूमिका का मुद्दा भी उठाया गया। व्यापारियों का कहना है कि जनपद के अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे युवक विभागीय अधिकारियों के साथ दिखाई देते हैं। उनकी नियुक्ति, विभाग में आधिकारिक भूमिका और दुकानदारों से संपर्क करने के अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। व्यापार मंडल ने मांग की है कि जांच कर यह पता लगाया जाए कि इन युवकों को विभाग की ओर से कोई अधिकृत जिम्मेदारी दी गई है या नहीं। यदि कोई आधिकारिक नियुक्ति अथवा जिम्मेदारी नहीं है तो वे किस अधिकार से दुकानों पर पहुंचकर विभागीय कार्रवाई के नाम पर दुकानदारों से संपर्क करते हैं।

इस मामले को लेकर पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों तक शिकायतें और साक्ष्य पहुंचाए जाने का दावा किया गया है। व्यापारियों का कहना है कि यदि शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और शिकायतों में सामने आए तथ्यों का सत्यापन करने की मांग की है।

बैठक में सर्वसम्मति से जिलाधिकारी बिजनौर को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। व्यापार मंडल की मांग है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दुकानदारों को कथित रूप से परेशान करने की शिकायतों का सत्यापन किया जाए तथा विभाग में निजी तौर पर काम कर रहे युवकों की नियुक्ति और भूमिका की जांच हो। यदि जांच में अवैध वसूली अथवा नियम विरुद्ध गतिविधियों की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन व्यापारियों की शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और मामले की जांच के लिए क्या कदम उठाता है। फिलहाल व्यापार मंडल की इस पहल के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और कथित अवैध वसूली के आरोपों को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

आरक्षित वन क्षेत्र में लगी आग, वन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

जंगल में रास्ता नहीं होने के कारण अंदर नहीं पहुंच सकी दमकल की गाड़ी, आग लगने के कारणों की जांच में जुटा वन विभाग





बिजनौर (सब का सपना):- कादरपुर जसवंत स्थित आरक्षित वन क्षेत्र में अचानक आग लगने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची, लेकिन जंगल के अंदर जाने के लिए रास्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण दमकल कर्मी वन क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सके। ऐसे में वन कर्मियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। वन विभाग के कर्मचारियों की तत्परता के चलते आग को फैलने से रोक लिया गया। हालांकि, अभी तक आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

यह आग प्राकृतिक कारणों से लगी या किसी व्यक्ति ने जानबूझकर लगाई, इसकी जांच वन विभाग की ओर से की जा रही है।वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि जंगलों में आग न लगाएं और न ही ऐसी कोई लापरवाही करें, जिससे वन संपदा को नुकसान पहुंचे। विभाग का कहना है कि जंगल केवल पेड़-पौधों का भंडार नहीं हैं, बल्कि हजारों वन्यजीवों का प्राकृतिक आश्रय स्थल भी हैं। जंगल में आग लगने से बहुमूल्य वन संपदा के साथ-साथ वन्यजीवों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है। वन्यजीव भी प्रकृति का अनमोल हिस्सा हैं और उन्हें सुरक्षित वातावरण में रहने का पूरा अधिकार है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारम्भ, जिलाधिकारी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक चलेगा पखवाड़ा



हापुड़ (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2026) का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक करेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम सभी यातायात नियमों का पालन करें। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें, तेज गति से वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें तथा शराब पीकर वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि समझदार बनें, सुरक्षित रहें के संदेश के साथ यह पखवाड़ा मनाया जा रहा है। सभी विभाग आपसी समन्वय से विद्यालयों, चौराहों, कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने आमजन से अपील की कि आइए, हम सब यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लें। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़ मुर्गी फार्म हाउस में हुई चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

कब्जे से चोरी की सोलर प्लेट बरामद, मेरठ का रहने वाला है आरोपी



गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने ग्राम दौताई स्थित मुर्गी फार्म हाउस में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की सोलर प्लेट बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम नासिर पुत्र शहजाद चौधरी निवासी ग्राम बहरोड़ा, थाना किठौर, जनपद मेरठ बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, गांव दौताई स्थित मुर्गी फार्म हाउस में चोरी हुई थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में रविवार को गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम दौताई नहर भट्टे के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की सोलर प्लेट बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया।

महिला के सोने के कुंडल, अंगूठी और नकदी लेकर फरार हुए बाइक सवार

आंखों के कैंप की जानकारी लेने के बहाने महिला को बातों में उलझाया, पर्स में रखे थे चार से पांच हजार रुपये



बिजनौर (सब का सपना):- नूरपुर थाना क्षेत्र में टप्पेबाजों ने दिनदहाड़े एक महिला को अपना निशाना बना लिया। आंखों के कैंप के संबंध में जानकारी लेने के बहाने दो बाइक सवार युवकों ने महिला को बातों में उलझाया और मौका पाकर उसके सोने के कुंडल, अंगूठी तथा पर्स लेकर फरार हो गए। पर्स में करीब चार से पांच हजार रुपये रखे हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव आलमपुर एडवा निवासी एएनएम कामिनी कौशल पत्नी जयपाल सिंह सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे आवश्यक कागजात जमा करने के लिए पीएचसी कार्यालय नूरपुर जा रही थीं। जब वह नगर पालिका कार्यालय के आसपास पहुंचीं, तभी बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें रोक लिया। युवकों ने आंखों के कैंप के संबंध में जानकारी लेने के बहाने उनसे बातचीत शुरू कर दी और अपनी बातों में उलझा लिया। आरोप है कि इसी दौरान दोनों युवक महिला के कानों के सोने के कुंडल, अंगूठी और पर्स लेकर मौके से फरार हो गए।

पीड़िता के अनुसार पर्स में करीब चार से पांच हजार रुपये भी रखे हुए थे। घटना के बाद महिला ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई।थानाध्यक्ष त्रिवेंद्र राठी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बाजारों से स्कूल-कॉलेज तक चला जागरूकता अभियान, महिलाओं को बांटे पंपलेट



संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत सोमवार को जनपद संभल में महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने गांवों और कस्बों में चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना डर और संकोच के पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

वहीं मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने शासन और पुलिस विभाग की ओर से संचालित महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं को वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया।

मोबाइल में पैनिक बटन और आपातकालीन कॉल सुविधा का डेमो देकर उसके इस्तेमाल की जानकारी भी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं से अपील की कि किसी भी तरह की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की घटना होने पर चुप न रहें, बल्कि तत्काल संबंधित हेल्पलाइन नंबर या नजदीकी थाने पर सूचना दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि महिलाओं की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस विभाग लगातार प्रयासरत है।

धनौरा में समाज हिति संरक्षण समिति का प्रस्तावित धरना प्रदर्शन रद्द, थाना प्रभारी के आश्वासन पर लिया फैसला



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में सोमवार को समाज हिति संरक्षण समिति उत्तर प्रदेश (रजिस्टर्ड) की तरफ से प्रस्तावित धरना प्रदर्शन को फिलहाल आगे के लिए टाल दिया गया है समिति द्वारा इस फैसले को थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह के द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद लिया गया है लेकिन समिति द्वारा आने वाली 26 नवंबर तक उनकी मांगों पर कार्यवाही का अल्टिमेट दिया गया है। बता दें कि समिति ने प्रशासनिक व्यस्तता का हवाला देते हुए गंगा स्नान पर्व के बाद समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। संगठन ने कहा कि तय समय में कार्रवाई नहीं हुई, तो 26 नवंबर को फिर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। समिति ने 6 नवंबर को अमरोहा एसपी को ज्ञापन देकर मंडी धनौरा की तत्कालीन विवेचक अंजलि कटारिया पर मुकदमे की जांच में अनियमितता का आरोप लगाया था। ज्ञापन में उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की गई थी।15 नवंबर तक कार्रवाई की जानकारी नहीं मिलने पर जिला अध्यक्ष चमन सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता सोमवार को धरना-प्रदर्शन के लिए रवाना हो रहे थे। इसी दौरान थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने फोन कर धरना स्थल जाने से पहले चर्चा करने का अनुरोध किया।इसके बाद नरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ चमन सिंह के आवास पहुंचे। बातचीत में उन्होंने बताया कि गंगा मेले के कारण उच्च अधिकारी और पुलिस बल व्यवस्थाओं में व्यस्त हैं। उन्होंने गंगा स्नान पर्व के तुरंत बाद समस्या का जल्द और निष्पक्ष समाधान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज नीरज कुमार, दरोगा प्रेमपाल सिंह, दरोगा विपिन तोमर, कांस्टेबल अनुज कुमार, समिति के पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भूमि विवाद में सात नामजद व 15 अज्ञात पर मुकदमा, ट्रैक्टर गंगा में धकेला





हापुड़/बहादुरगढ़ (सब का सपना):- जनपद हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में गंगा पार टापू पर जमीन की जुताई को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में पुलिस ने सात नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। हमलावरों द्वारा ट्रैक्टर भी गंगा में धकेल दिया गया। पुलिस जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी करने का दावा कर रही है।

ज्ञात हो कि क्षेत्र के शंकरा टीला के रहने वाले लाल सिंह ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि शनिवार की रात वह अपने साथी विकास पुत्र महिपाल, विकास पुत्र सीताराम, सुरेश और राजू के साथ ट्रैक्टर लेकर खेतों की जुताई करने गए थे। रात अधिक होने के कारण वह गंगा पार नहीं कर सके और गांव के नजदीक टापू पर तंबू लगाकर रुक गए। आरोप है कि इसी दौरान ग्राम पिपलोती खुर्द के प्रधान जितेंद्र, होसराम, चंद्रपाल, नौशाद, हसनैन, शाहरुख और तस्लीम समेत 10 से 15 अज्ञात लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की और लोहे की रॉड से जमकर पीटा। इस दौरान पांच किसान घायल हो गए। आरोपियों ने ट्रैक्टर भी गंगा में धकेल दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसने जांच शुरू की और मामले में कार्रवाई करते हुए सात नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर करें अमल:- अपर जिलाधिकारी न्यायिक



अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तथा प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अंबरीश कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित रैंकिंग एवं फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक पंजीकरण कराए जाएं तथा माह के अंत तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का आमजन के बीच विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा लोगों को सोलर पैनल स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की प्रदर्शित रैंकिंग की समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग अपनी प्रगति में सुधार लाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर तत्काल अमल में लाएं।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की रैंकिंग में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध, सत्य एवं त्रुटिरहित रूप से अपडेट किया जाए। शासन स्तर पर जनपद के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का मूल्यांकन मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से किया जाता है।

अतः सभी अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ अपने विभागीय कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। फैमिली आईडी की विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने निर्देश दिए कि जिन विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य पूर्ण नहीं किया गया है, वे कार्य में तेजी लाते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें। प्रत्येक पात्र परिवार की फैमिली आईडी तैयार कर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए।बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अंबरीश कुमार सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रजबपुर क्षेत्र में पेड़ों के कटान की सूचना पर दौड़ी पुलिस, कटान करने वाले मौके से फरार





रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में सोमवार की तड़के कोहरे की आड़ हो रहे पेड़ों के कटान की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके की तरफ दौड़ी जिसको देखकर कटान करने वाले लोग मौके से फरार हो गए। इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र में किसी कटान के ना होने की पुष्टि की है और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह करीब छह बजे अतरासी के मंढय्या रोड पर कुछ युवक शीशम के पेड़ काट रहे थे। घने कोहरे के बीच डायल 112 पर इसकी सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस की पीआरवी मौके पर पहुंची। पुलिस को आता देख युवक वहां से भाग गए।

घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पेड़ों के अवैध कटान पर रोक लगाने की भी मांग की।वन क्षेत्राधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि पेड़ काटने की कोई वैध अनुमति नहीं थी। मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई जारी है।

कल्याणपुर पुलिस की तत्परता से ई-रिक्शा में छूटा बैग मिला, यात्री ने जताया आभार



चौडगरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना कल्याणपुर की चौडगरा चौकी पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए ई-रिक्शा में छूटा यात्री का बैग सकुशल बरामद कर उसे सुपुर्द कर दिया। बैग में 15 हजार रुपये नकद, एक लैपटॉप, दवाइयों के कागजात व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। बैग वापस पाकर यात्री ने फतेहपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार आवेदक देवेन्द्र प्रताप पुत्र जयकरन सैनी निवासी ग्राम गलाथा, थाना औंग, जनपद फतेहपुर बिंदकी रोड रेलवे स्टेशन से ई-रिक्शा से चौडगरा कस्बा पहुंचे थे। जल्दबाजी में उनका बैग ई-रिक्शा में ही छूट गया। काफी खोजबीन के बाद भी बैग न मिलने पर उन्होंने चौडगरा चौकी पर सूचना दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी चौडगरा उ0नि0 मंगेश मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ तत्काल कार्रवाई शुरू की। टीम ने कस्बे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य ई-रिक्शा चालकों से पूछताछ कर संबंधित ई-रिक्शा चालक की पहचान की। त्वरित प्रयास के बाद बैग बरामद कर आवेदक को सुपुर्द कर दिया गया। अपना बैग वापस पाकर देवेन्द्र प्रताप ने फतेहपुर पुलिस की तत्परता एवं सहयोग की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।बरामद करने वालों में उ0नि0 मंगेश मिश्रा, चौकी प्रभारी चौडगरा, का0 शुभम अवस्थी, का0 सिंटू कुमार मौजूद रहे।

अमरोहा के जलालपुर गांव के जंगलों में दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों ने बनाया वीडियो, वन विभाग ने शुरू की जांच



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अमरोहा थाना देहात क्षेत्र के जंगलों में सोमवार को ग्रामीणों द्वारा तेंदुए के देखे जाने का मामला सामने आया है जिसका ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।वीडियो के वायरल होने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्र में जांच के लिए टीम भेज दी है उधर तेंदुए के दिखाई देने से क्षेत्रीय लोगों में दहशत का माहौल है।

बता दें कि अमरोहा के देहात थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में सोमवार सुबह खेत में तेंदुआ दिखाई दिया। ग्रामीणों ने उसका वीडियो बनाया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्रामीण रोज की तरह काम के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने तेंदुए को खेत में घूमते देखा। कुछ ग्रामीण पीछे से चलते हुए मोबाइल पर उसका वीडियो बनाने लगे। थोड़ी देर बाद तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। तेंदुए की खबर फैलने पर आसपास के गांवों के लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने जंगल में काफी देर तक तलाश की, लेकिन तेंदुआ नहीं मिला। ग्रामीणों ने जंगल में पिंजरा लगाने और इलाके की निगरानी बढ़ाने की मांग की है।कैलसा क्षेत्र के कई गांवों में भी पहले तेंदुआ दिखाई दे चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि उसकी आवाजाही से खेतों में काम करने वाले किसानों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। एहतियात के तौर पर लोगों ने महिलाओं और बच्चों को अकेले खेतों पर भेजना बंद कर दिया है।डीएफओ राजीव कुमार ने बताया कि टीम गांव भेजी गई है और वीडियो की जांच कराई जाएगी।

घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

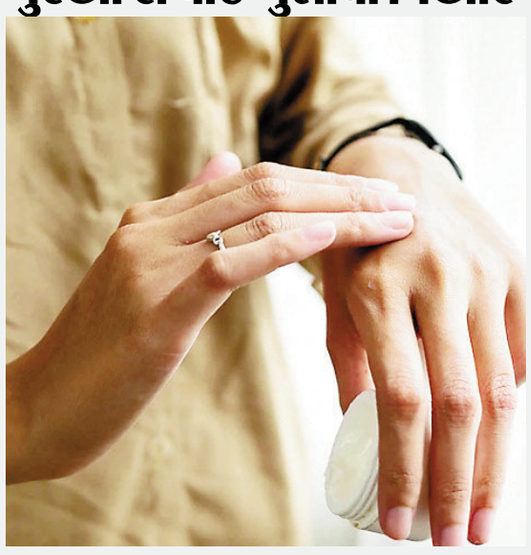


जुनावई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना जुनावई क्षेत्र में घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला करने और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को धनीपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर को थाना जुनावई में गांव धनीपुर निवासी अवधेश कुमार पुत्र राजपाल उर्फ भूरे ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्तों ने उनके घर में घुसकर उनके भाई के साथ जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से मारपीट की। शोर सुनकर बचाने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की थी। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

इसी मामले में सोमवार को थाना जुनावई पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज पुत्र सोबरन सिंह निवासी धनीपुर को धनीपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है।

सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।

रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।





लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी

समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज मि?व ?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।



ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार

धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।



धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज्जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स ः द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

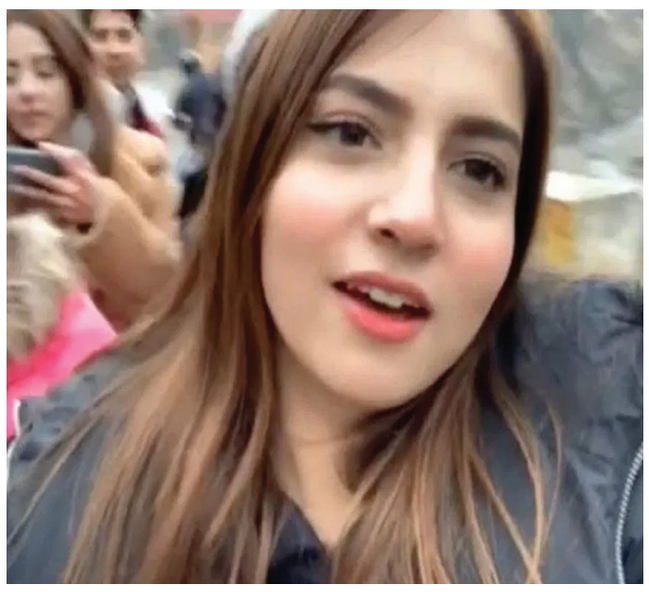
5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम-चैप्टर 1 उधिरम-द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी



इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवाड्र्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर:आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।